

15

वह समय कभी तो आएगा!

क्या आप जानते हैं...

बनुष्य इस संसार में सारे अपवशापूर्ण कार्य केवल स्वार्थ के वशीभूत होकर करता है! क्या ऐसा श्री समय कभी आएगा जब वह इससे ऊपर उठकर सत्य और अहिंसा की दाह में अपना कदम छढ़ाएगा!

इस 'कविता' में कवि ने उस समय के आने की कामना की है जब संसार में कहीं भी कोई बनुष्य दुःखी नहीं होगा। जब न्याय छिकेगा नहीं। कोई दाष्ट किसी को अधीन नहीं करना चाहेगा। शक्ति की नहीं, बल्कि बुद्धि की पूजा होगी। सब लोग सुखी और समृद्ध होंगे।



ज्ञान और बल में आप किसे श्रेष्ठ मानते हैं?



किसे बादल की संज्ञा दी गई है?



लोगों को किस राह पर चलना चाहिए?

वह समय कभी तो आएगा!

जब झगड़े दुनिया वालों के, तलवार नहीं सुलझाएगी।

जब पूजा होगी प्रतिभा की, जब शक्ति न पूजी जाएगी।
तब कटुता सारी तजक्कर मानव, प्याए के गाने गाएगा।

वह समय कभी तो आएगा!

जब कोई निर्धन न होगा, धरती समान छाँट जाएगी।

जब दुःख के बादल छिटकेंगे, वसुधा सुख से भर जाएगी।
चाँदी के टुकड़ों के बदले, जब न्याय न छेचा जाएगा।

वह समय कभी तो आएगा!

जब दो गज़ धरती की खातिर, राट्र न चलाए जाएँगे।

जब दाष्ट किसी पर अपने छल से, प्रभुता नहीं जमाएँगी।

जब सत्य अहिंसा की दाहों पर, मानव कदम छढ़ाएगा।

वह समय कभी तो आएगा!



प्रति-अर्थ

प्रतिभा = बुद्धि (genius); शक्ति = ताकत; कदुता = देषभावना; निर्धन = गरीब; वसुधा = पृथ्वी, धरती; न्याय = इंसाफ; प्रभुता = अधिकार (right); एटम = परमाणु बम।



आओ, अभियास करें Let's Do Exercise



पठन एवं लेखन अभिव्यक्ति

श्रुतलेखन/Dictation

आपकी कलम से Questions relating Text

1. निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण करते हुए पुनः लिखिए-

प्रतिभा	शक्ति	निर्धन	न्याय	अहिंसा	सत्य
.....
.....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

- (क) मनुष्य प्यार के गाने कब गाएगा?
- (ख) न्याय कब नहीं बेचा जाएगा?
- (ग) एटम बम कब चलाए जाते हैं?
- (घ) कवि कौन से समय के आने की कामना करता है?
- (ङ) 'प्रतिभा' की पूजा से क्या आशय है?

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए-

- (क) जब कोई न होगा, समान बँट जाएगी।
जब दुःख के बादल छिटकेंगे, वसुधा सुख से भर जाएगी।
- (ख) जब राष्ट्र किसी पर अपने बल से, प्रभुता नहीं जमाएँगे।
जब मातृ अहिंसा की राहों पर, मानव कदम बढ़ाएगा।

4. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए-

- (क) जब झगड़े दुनिया वालों के नहीं सुलझायेगी।
 - (ii) तलवार
 - (i) सरकार
 - (iii) बन्दूक
 - (iv) समाज
- (ख) जब के बादल छिटकेंगे।
 - (ii) दुःख
 - (i) सुख
 - (iv) प्रेम

